Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 07-12-2005

Participants : Patel Shri Jivabhai Ambalal

an>

Title : Need to ensure that the royalty on minerals resources is spent for the welfare and other parts of the country.

श्री जीवाभाई ए. पटेल (मेहसाना) : महोदय, देश में कई प्राकृतिक स्त्रोतों से तेल, गैस, कोयला एवं कई खनिज पदार्थ प्राप्त हो रहे हैं। इन पदार्थों से अरबों रूपये की आय सरकार को होती है, परन्तु जहां से यह पदार्थ निकलता है, वहां के लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता है। इन खनिज पदार्थों को प्राप्त करने वाले स्त्रोत स्थल के आसपास लोगों को कोइ विशेा बुनियादी सुविधायें भी नहीं देते हैं, जिसके कारण यहां के लोगों को आर्थिक एवं सामाजिक ि वकास नहीं हो पाता है। खनिज पदार्थ प्राप्त करने वाले उपक्रम जिन राज्यों से खनिज पदार्थ एवं तेल इत्यादि प्राप्त करते हैं, उनके एवज में प्रत्येक राज्य को रॉयल्टी की भारी राशि प्राप्त होती है, जिसे राज्य सरकार खनिज पदार्थ एवं तेल पदार्थ स्त्रोत स्थल के विकास कार्य में नहीं लगाती है और उस समय तो और भी स्थिति विकट हो जाती है जब कोइ प्राकृतिक आपदा का प्रकोप इन स्त्रोत स्थल के आसपास होता है। गुजरात के स्त्रोत स्थलों में आये भूकम्प, चक्र वात, सूखे एवं बाढ़ से प्रभावित लोगों को इस रॉयल्टी से कोई सहायता नहीं दी गयी।

सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस रॉयल्टी राशि का उपयोग खनिज पदार्थो के स्त्रोत स्थल के विकास हेतु दिये जाने हेतु निर्देश दिया जाये या इस रॉयल्टी राशि में से कुछ प्रतिशत के वल खनिज पदार्थों के स्त्रोत स्थल के विकास एवं इस स्त्रोत स्थल पर किसी प्राकृतिक आपदा के समय राहत एवं सहायता हेतु दिये जाने का प्रावधान किया जाये।